भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1750 का उत्तर

मैसूर और गोवा के बीच सीधी ट्रेन सेवा

1750. श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि मैसूर (कर्नाटक) और गोवा अभी भी सीधी रेल सेवा से नहीं जुड़े हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि कारवार का मैसूर और अन्य प्रमुख स्थानों जैसे हवाई अड्डे तथा बंदरगाह शहर वास्को-द-गामा से सीधा रेल संपर्क नहीं है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) और कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) ने आईआरसीटीसी 2024 के विचार-विमर्श के दौरान संयुक्त रूप से ट्रेन संख्या 16585 एसएमवीबी-मुर्डेश्वर एक्सप्रेस को कारवार होते हुए वास्को-द-गामा तक विस्तारित करने और ट्रेन संख्या 1309 वाईपीआर-वास्को एक्सप्रेस के साथ रेक-शेयरिंग का प्रस्ताव दिया था और इस पर सहमति बनी थी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल नई रेलगाड़ियों का परिचालन करके या मौजूदा सेवाओं का विस्तार करके महत्वपूर्ण स्टेशनों को सीधी रेल सेवाओं से जोड़ने का निरंतर प्रयास करती है। भारतीय रेल पर यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धता आदि के एक सतत् प्रक्रिया है।

वर्तमान में, मैसूरु-बेंगलुरू खंड को 36 जोड़ी गाड़ी सेवाओ द्वारा सेवित किया जा रहा हैं, जबकि बेंगलुरू-वास्को-द-गामा खंड को 02 जोड़ी गाड़ी सेवाओ द्वारा सेवित किया जा रहा हैं।

*****